जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 34 प्रभात कोटा, रविवार 17 नवम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मोदी, अमित शाह व राहुल गांधी के चुनावी भाषणों के खिलाफ काफी शिकायतें

चुनाव आयोग ने दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को सोमवार एक बजे तक का समय दिया, इन शिकायतों पर जवाब मांगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। भारतीय चुनाव आयोग, झारखंड को लेकर भाजपा व कांग्रेस की झारखंड महाराष्ट्र चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों के सम्बंध में की गई शिकायतों की जांच कर रहा है।

महाराष्ट्र तथा झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनावों में इलैक्शन कमिशन ऑफ इंडिया (ई.सी.आई.) ने भाजपा तथा कांग्रेस द्वारा दर्ज शिकायतों का संज्ञान लिया है। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग-अलग भेजे गए पत्र में चुनाव आयोग ने दोनों दलों द्वारा लगाए गए आरोपों पर औपचारिक जवाब मांगा है।

आयोग ने सोमवार 18 नवम्बर को दोपहर एक बजे तक जवाब देने को कहा है और दोनों दलों को, लोकसभा चुनावों के दौरान, 22 मई, 2024 को जारी की गई अपनी सलाह की याद दिलाई है, जिसमें प्रचारकों से शिष्टाचार बरतने तथा आदर्श आचार संहिता का पालन करने का आग्रह किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमण्डल ने नई दिल्ली में ई.सी.आई. से संपर्क किया और 6 नवम्बर को मुंबई की चुनाव रैली में कांग्रेस सांसद तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणियों को लेकर चिंता व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा नेता अरुण सिंह, शहज़ाद पूनावाला एवं ओम पाठक भी शामिल थे।

भाजपा ने भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) की धारा 353 के तहत गांधी के विरुद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने की मांग की और आरोप लगाया कि वे मर्यादा उल्लंघन के आदतन अपराधी हैं।

छः नवंबर को महाराष्ट्र की एक रैली में राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि एपल आईफोन और बोईंग एयरप्लेन का अन्य राज्यों में निर्माण किया जा रहा है जिसका नुकसान महाराष्ट्र को हो रहा है। राहुल ने कहा, "ये परियोजानएं पांच लाख युवाओं के लिए रोजगार पैदा करती हैं, जिन्हें आपसे छीनकर गुजरात को दे दिया गया है।"

दूसरी तरफ कांग्रेस ने चुनाव आयोग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन पर महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव 2024, के लिए प्रचार रैलियों के दौरान "झूठे विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान" देने का आरोप लगाया गया है।

शिकायत में, प्रधानमंत्री की नासिक और धुले की 8 नवम्बर की रैलियों में दिए गए मोदी के निम्नलिखित बयानों का हवाला दिया गया है। "एक तरफ कांग्रेस और उसके सहयोगी जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली को खत्म करके दलितों, आदिवासियों और ओ.बी.सी. के अधिकारों को छीनना चाहते हैं। दूसरी तरफ वे महाराष्ट्र में इनको धोखा देने के लिए संविधान के नाम पर एक झूठी किताब लहराते हैं।"

"तीन पूर्व कांग्रेसी प्रधानमंत्री--- दलितों, आदिवासियों और ओ.बी.सी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल के नेतृत्व में अरुण सिंह, शहजाद पूनावाला व ओम पाठक ने चुनाव आयोग के समक्ष शिकायत की, कि ऐसे मामलों में राहुल गांधी आदतन "अपराधी" हैं, तथा मुम्बई में 6 नवम्बर को कांग्रेस द्वारा आयोजित चुनावी सभा में उन्होंने कहा कि, पांच -छः लाख नौकरियां महाराष्ट्र से गुजरात शिफ्ट की गई हैं।
- दूसरी ओर कांग्रेस ने एक शिकायत दर्ज की है भाजपा के खिलाफ, चुनाव आयोग के समक्ष, कि प्र.मंत्री मोदी ने 8 नवम्बर को नासिक व धूले में आयोजित रैली में आरोप लगाया, कि, कांग्रेस के प्र.मंत्री नेहरु, इंदिरा गांधी व राजीव गांधी, अनुसूचित /जनजाति व ओ.बी.सी. के हितों के खिलाफ थे, तथा इन समुदायों को आरक्षण देने के खिलाफ थे।
- कांग्रेस ने प्र.मंत्री मोदी के, शोलापुर, महाराष्ट्र में दिये गये भाषण के खिलाफ शिकायत की। कांग्रेस के अनुसार, मोदी ने नारा दिया था, कि, "एक हैं तो सेफ हैं" नारे के अनुसार कांग्रेस चाहती है कि ओ.बी.सी. अलग-अलग जात (कास्ट) में विभाजित हों, जिससे कांग्रेस को और ऑक्सीजन मिलेगी। क्या आप यह चाहते हैं।

सिंगापुर की राजनैतिक पार्टी की टीम भारत में

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। "भाजपा को जानिए" की पहल के सिलसिले में, भाजपा के आमन्त्रण पर सिंगापुर के सत्तारूढ़ दल "पीपुल्स ऐक्शन पार्टी" (पी.ए.पी.) के वरिष्ठ नेताओं का एक सोलह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भारत आ रहा है, जो 17 नवम्बर से 21 नवम्बर तक भारत में रहेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में तीन मंत्री, चार सांसद तथा अन्य लोग शामिल हैं। इस दल का नेतृत्व डॉ. जनील पुतुचेरी कर रहे है, जो "सीनियर मिनिस्टर ऑफ स्टेट फोर कम्यूनिकेशन एंड इन्फॉर्मेशन एंड फॉर हैल्थ" है।

- सिंगापुर की पीपुल्स एक्शन पार्टी भाजपा के आमंत्रण पर भारत आई है तथा दिल्ली व जयपुर का दौरा करगी।

इस यात्रा के दौरान, पी.ए.पी. प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा तथा अन्य भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल जयपुर भी जायेगा, जहाँ वह राजस्थान के मुख्यमन्त्री भजनलाल शर्मा से मिलेगा तथा राज्य पार्टी कार्यालय में, राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष तथा राज्य के अन्य प्रमुख पार्टी पदाधिकारियों से बातचीत करेगा।

भाजपा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य भाजपा और पी.ए.पी. के बीच, दो पार्टियों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र में राहुल गांधी के सामान की तलाशी

अमरावती जिले में राहुल का हैलिकॉप्टर लैंड होते ही चुनाव आयोग ने तलाशी की कार्यवाही की

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनाव आयोग ने फिर निशाना बनाया है। महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों से पहले, उन्हें उस जांच का सामना करना पड़ा, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने राहुल के अमरावती जिले में पहुंचने पर, उनके बैगों की चैकिंग की।

इस चैकिंग से एक दिन पहले ही, उस समय भी एक विवाद पैदा हो गया, जब उनके हैलिकॉप्टर को झारखंड में खड़ा रखा गया था। आज की गई इस चैकिंग से कांग्रेस चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाने के लिए मजबूर हो गई।

राहुल गांधी 20 नवम्बर को होने वाले विधानसभा चुनावों के प्रचार के सिलसिले में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए धमनगांव रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे, जो अमरावती जिले के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से एक है। उनके हेलिकॉप्टर वहां उतरने के थोड़ी देर बाद ही, चुनाव आयोग के अधिकारीगण कांग्रेस नेता की टीम के पास पहुंचे तथा चुनाव आयोग के आदर्श आचार संहिता-प्रवर्तन के एक हिस्से के रूप में, उन्होंने राहुल और उनकी टीम के सामान की चैकिंग की।

सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहे एक वीडियो में यह सारी कार्यवाही कैद है। जब आयोग के अधिकारी राहुल गांधी के बैगों की चैकिंग कर रहे थे, उस समय गांधी वहीं पास ही खड़े हुए थे। कुछ क्षण बाद, वे अपनी पार्टी सहयोगियों के पास चले गये और उनसे बात करने लगे।

- कांग्रेस इस घटना पर क्रुद्ध है। उसका कहना है कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग पक्षपात कर रहा है।
- चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव आचार संहिता के तहत सभी नेताओं के सामानों की तलाशी ली जा रही है।

यशोमति ठाकुर, जो कांग्रेस विधायक तथा राज्य की पूव मंत्री हैं, ने इस चैकिंग को लेकर जबरदस्त नाराजगी व्यक्त की तथा पूछा कि क्या चुनाव आयोग के अधिकारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे के बैगों की भी तलाशी ले रहे हैं।

इस घटना से पहले इसी प्रकार का विवाद उस समय पैदा हुआ, जब यवतमाल में प्रचार अभियान के दौरान, शिवसेना (यू. बी. टी.) नेता उद्धव ठाकरे के बैगों की चैकिंग हुई।

ठाकरे ने इस घटना को लेकर आयोग के अधिकारियों पर चयनित प्रवर्तन (सलैक्टिव एन्फोर्समेंट) का आरोप लगाया। लेकिन, बाद में सामने आये वीडियो यह दिखा रहे हैं कि इसी प्रकार की चैकिंग अमित शाह, देवेन्द्र फड़नवीस सहित, भाजपा नेताओं तथा अजित पवार के सामान की भी हुई है।

शुक्रवार को झारखंड के गोड्डा में राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर में रोके रखना तथा आज की घटना, कथित रूप से "प्रोटोकॉल रैस्ट्रिक्शन" का नतीजा बताई जा रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से विलम्ब पैदा कर के, गांधी के निर्धारित कार्यक्रमों में बाधा डाली जा रही है। इन्हीं कार्यक्रमों में, प्रख्यात आदिवासी नेता बिरसा मुण्डा की जयन्ती के दिन होने वाली सभा भी शामिल हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के अनुसार, गांधी की फ्लाइट, जिसका समय अपरान्ह 1.15 बजे का था, में दो घंटे का विलम्ब कर दिया गया, क्योंकि अन्य राजनेताओं के लिए "नो फ्लाई ज़ोन" की घोषणा कर दी गई थी। रमेश ने भाजपा पर ओछी हरकतें करने का आरोप लगाया तथा इस कार्यवाही को चुनावी निष्पक्षता का खुला उल्लंघन बताया।

सुखबीर सिंह बादल ने शिरोमणि अकाल दल का अध्यक्ष पद छोड़ा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। सुखबीर सिंह बादल शनिवार को शिरोमणि अकाली दल (एस. ए. डी.) के अध्यक्ष पद से हट गये, क्योंकि पार्टी प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था।

उन्होंने अपना त्याग पत्र पार्टी की वर्किंग कमेटी को दे दिया तथा इस प्रकार नये अध्यक्ष के चुनाव के लिए रास्ता साफ कर दिया। उन्होंने सभी पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि उन सबने उनके नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया तथा पूरे कार्यकाल में उन्हें पूरे मन सहयोग दिया।

एस. ए. डी. के वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह चीमा ने बादल के इस्तीफे की पुष्टि की तथा इसकी घोषणा "एक्स" पर कर दी।

दरअसल, बादल ने अध्यक्ष पद पार्टी की आन्तरिक असहमति के चलते छोड़ा है। ज्ञातव्य है कि अकाल तख्त ने उन्हें "तनखैया" घोषित कर दिया था। "तनखैया" धार्मिक दुराचरण के अपराध का सूचक होता है। वे पार्टी में आलोचना का सामना कर रहे थे तथा हाल ही के चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद, उनके इस्तीफे की मांग होने लगी थी। उन्हें "तनखैया" किये जाने का संबंध उनकी उन कथित "गलतियों" से हैं, जो बादल से 2007 से 2017 के बीच उनके कार्यकाल के दौरान हुई बताई जाती हैं।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस. जी. पी. सी.) की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर के अनुसार, बादल के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चाओं में प्रतिरोध आये थे। असहमति एवं विरोध के बावजूद, एस. ए. डी. वर्किंग कमेटी ने बादल को पूरा समर्थन देने की घोषणा की थी तथा विद्रोह को पार्टी की एकता के लिए घातक बताते हुए, विद्रोह को खारिज कर दिया था।

- सूत्रों का कहना है कि सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने "तनखैया" घोषित कर दिया था और इस वजह से पार्टी में उनके खिलाफ भारी असंतोष पैदा हो गया था। इसलिए सुखबीर सिंह बादल को मजबूरन त्याग पत्र देना पड़ा।
- बादल के इस्तीफे से नए अध्यक्ष के चयन का रास्ता साफ हो गया है।
- बादल को 2007 से 2017 के बीच, उनकी सरकार के कार्यकाल के दौरान किए गए कृत्यों के लिए तनखैया घोषित किया गया है।

'लोक अदालत के फैसले की पालना नहीं होना गंभीर विषय'

जयपुर, 16 नवंबर। जिले की स्थाई लोक अदालत ने दो साल पहले दिए गए आदेश का पालन नहीं करने पर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष को 5 दिसंबर को व्यक्तिगत तौर पर, पेश होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। स्थाई लोक अदालत के पीठासीन अधिकारी अनूप कुमार सक्सैना व दीपक चाचान ने यह आदेश गोपाल लाल खत्री बनाम हाउसिंग बोर्ड मामले में दिया। मामले के अनुसार, स्थाई लोक अदालत ने इस मामले में 16 अगस्त 2022 के आदेश से हाउसिंग बोर्ड पर 72 हजार रुपए का हर्जाना लगाते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- स्थाई लोक अदालत ने राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष को 5 दिसम्बर को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने के निर्देश दिये।

मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन के लिये विदेश रवाना

पांच दिवसीय यात्रा में प्रधानमंत्री ब्राज़ील, नाईजीरिया तथा गुयाना जायेंगे

नयी दिल्ली, 16 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के ब्राजील और नाइजीरिया एवं गुयाना की पांच दिवसीय यात्रा पर शनिवार को रवाना हो गए। मोदी ने पालम वायुसैनिक अड्डे से विशेष विमान से रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में जी-20 शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं तथा 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सार्थक चर्चा की आशा जताई।

मोदी ने कहा, मैं नाइजीरिया, ब्राज़ील और गुयाना की पाँच दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूँ। राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू के निमंत्रण पर यह नाइजीरिया की मेरी पहली यात्रा होगी, जो पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्र में हमारा करीबी भागीदार है। मेरी यात्रा हमारी रणनीतिक साझीदारी को आगे बढ़ाने का अवसर होगी, जो लोकतंत्र और बहुलवाद में साझा विश्वास पर आधारित है। मैं भारतीय समुदाय और नाइजीरिया के दोस्तों से मिलने का भी उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं, जिन्होंने मुझे हिंदी में गर्मजोशी से स्वागत संदेश भेजे हैं।

मोदी ने कहा, ब्राजील में, मैं ट्रोइका सदस्य के रूप में 19वें जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। पिछले साल, भारत की सफल अध्यक्षता ने जी-20 को लोगों के जी-20 के रूप में ऊपर उठाया और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को अपने एजेंडे की मुख्यधारा में शामिल किया। इस वर्ष, ब्राज़ील ने भारत की विरासत को आगे बढ़ाया है। मैं 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के हमारे दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सार्थक चर्चा की आशा करता हूँ। मैं इस अवसर का उपयोग कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए भी करूंगा।

मोदी ने कहा, राष्ट्रपति मोहम्मद इरफ़ान अली के निमंत्रण पर मेरी गुयाना यात्रा 50 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। हम अपने अनूठे रिश्ते को रणनीतिक दिशा देने पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, जो साझा विरासत, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हैं। मैं सबसे पुराने भारतीय प्रवासियों में से एक के प्रति भी अपना सम्मान व्यक्त करूंगा, जो 185 साल से भी अधिक समय पहले प्रवासित हुए थे।

उन्होंने कहा, इस यात्रा के दौरान, मैं दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के लिए कैरेबियाई भागीदार देशों के नेताओं के साथ भी शामिल होऊंगा। हम हर सुख-दुख में एक साथ खड़े रहे हैं। शिखर सम्मेलन हमें ऐतिहासिक संबंधों को नवीनीकृत करने और नए क्षेत्रों में हमारे सहयोग का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्हें शिखर सम्मेलन में "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य", पर सार्थक चर्चा की आशा है।

'मीडिया आत्महत्या कर रही है, अपने कृत्यों से'

बैंगलोर में आयोजित मीडिया डे समारोह में पूर्व सूचना प्रसारण मंत्री वीरप्पा मोईली ने कहा, कि जब तक मीडिया सरकार से, तथा सत्ता में बैठे लोगों से निर्भीक भाव से सवाल पूछना पुनः शुरु नहीं करती

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। गत कुछ वर्षों के हालात से ऐसा लग रहा है कि भारतीय मीडिया एक स्तर पर न केवल आत्महत्या कर रहा है बल्कि दूसरे स्तर पर इसकी हत्या की जा रही है। बैंगलौर में हुए नैशनल मीडिया डे कार्यक्रम में यही बात उभर कर आई।

पूर्व केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और कानून मंत्री तथा कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोईली कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मीडिया पर पड़ रहे दबाव को बताने के लिए पत्रकारों पर हमले, पत्रकारों की हत्या, फेक न्यूज़ और पत्रकारों के खिलाफ मुकदमों का उदाहरण दिया। और कहा, ऐसा गत कुछ वर्षों से हो रहा है"

इसी दिन प्रैस काउन्सिल ऑफ इंडिया का उद्घाटन हुआ था कर्नाटक में इस कार्यक्रम का आयोजन राज्य के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग ने किया था। इस अवसर पर मोईली का बतौर मुख्य अतिथि मौजूद होना न्यायोचित था। उन्होंने ही कर्नाटक मीडिया एकैडमी बनाई थी। मोईली मीडिया के क्षेत्र में काफी अनुभवी रहे हैं। सूचना प्रसारण मंत्री के रुप में उनका मीडिया से निकट सम्पर्क रहा था और फिर कानून मंत्री के रुप में मीडिया से जुड़े कई कानूनों का प्रारुप बनाने में उनकी अहम भूमिका रही थी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों से लेकर पत्रकारिता क्षेत्र के विद्यार्थी भी मौजूद थे, जो बैंगलोर और कर्नाटक के विभिन्न मीडिया संस्थानों से थे। कार्यक्रम का शीर्षक था "चेन्जिंग नेचर ऑफ प्रैस" अर्थात प्रैस की बदलती प्रकृति। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोईली ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि मीडिया जो कह रहा है, जो बदलाव ला रहा है उससे लगता है वह आत्महत्या कर रहा है। उन्होंने आगे कहा गत कुछ वर्षों से मीडिया ने सत्ता से सवाल करना बंद कर दिया है और जो सरकार से सवाल पूछने की हिम्मत करते हैं उन्हें या तो चुप करा दिया जाता है या इस प्रोफेशन से ही बेदखल कर दिया जाता है, पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि ग्लोबल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मोईली ने यह भी कहा, कि प्रेस के सम्मुख एक चुनौती यह भी है, कि प्रधानमंत्री अब मीडिया से इन्टरएक्ट करने या जानकारी देने में विश्वास नहीं करते तथा इस रवैये से प्रेस जानकारियों से महरुम हो जाता है।
- और अब प्र.मंत्री की देखा- देखी मंत्री व अफसर भी मीडिया से बात करने व जानकारियां देने को टालते हैं और, मीडिया जानकारियों व खबरों से वंचित रह जाता है।
- नेशनल मीडिया डे इसलिये मनाया जाता है, क्योंकि, इस दिन प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया का गठन हुआ था, तथा प्रेस की स्वतंत्रता का संकल्प लिया गया था।

छत्तीसगढ़ में पांच नक्सली मुठभेड़ में मरे

कांकेर, 16 नवंबर। छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ इलाके में शनिवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में अब तक पांच नक्सली मारे गये जबकि सुरक्षा बलों के दो जवान घायल हुए हैं। सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में नक्सलियों के कब्जे से हथियार भी बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक आई के एलिसेला ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। कोर इलाका होने के कारण जवानों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि मौके से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं।

उत्तरअबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर सर्चिंग अभियान पर संयुक्त पुलिस पार्टी गई थी। सुबह आठ बजे से लगातार डीआरजी,एसटीएफ और सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) की संयुक्त पुलिस पार्टी और नक्सलियों के सामने डटी हुई है।

घायल हुए जवानों की स्थिति सामान्य है। दोनों खतरे से बाहर हैं। दोनों घायल जवानों को बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा रही है।

बहरहाल मुठभेड़ अभी भी जारी है तथा रुक-रुककर दोनों ओर से फायरिंग हो रही है।

- कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। पुलिस ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किये।

उपभोक्ता आयोग ने फुलेरा के अस्पताल व डॉक्टरों पर 19.70 लाख का हर्जाना लगाया

आयोग ने यह आदेश संजय सोनी के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए

जयपुर, 16 नवंबर। जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय ने मरीज के फिशर का ऑपरेशन करने के दौरान लापरवाही बरतने पर फुलेरा के सत्यम अस्पताल, डॉ. एसके मोंगिया और डॉ. केसी बंसल पर कुल 19.70 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने यह आदेश संजय सोनी के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने अपने आदेश में कहा कि ऑपरेशन में लापरवाही के कारण एक नौजवान की जिंदगी नरक बन गई है। उसकी रीड की हड्डी के अंतिम छोर में घाव हो गया है और लगातार सूजन बनी रहती है, जिसे ठीक करना असंभव है। यहां तक कि वह मल भी नहीं रोक पा रहा है, जिसके कारण वह कहीं आ-जा भी नहीं सकता है। इसके चलते परिवादी एक तरह से दिव्यांग हो गया है, जिसकी क्षतिपूर्ति किसी भी कीमत पर किया जाना संभव नहीं है।

परिवाद में कहा गया कि वह विपक्षी अस्पताल में फिशर का ऑपरेशन कराने के लिए 14 फरवरी, 2016 को भर्ती हुआ था। उसी दिन उसका ऑपरेशन कर डिस्चार्ज भी कर दिया गया और उससे 13 हजार रुपए का भुगतान लिया गया। परिवाद में कहा गया कि ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों ने लापरवाही बरतते हुए, मलद्वार की मांसपेशियों, टिश्यूज और तंत्रिकों को ज्यादा काटकर क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे वह मल नहीं रोक पा रहा और रीढ़ की हड्डी में भी लगातार सूजन बनी हुई है, जिसे पुनः सही कराना अब संभव नहीं है। ऐसे में उसे अस्पताल और चिकित्सकों से क्षतिपूर्ति दिलाई जाए। परिवाद की सुनवाई करते हुए आयोग ने अस्पताल और चिकित्सकों पर हर्जाना लगाया है।

- सत्यम अस्पताल, डॉ. के.सी. बंसल व डॉ. एस.के. मोंगिया पर मरीज के फिशर के ऑपरेशन में लापरवाही करने का आरोप है, जिसके बाद से मरीज की रीढ़ की हड्डी में लगातार सूजन बनी हुई है।